**12-क. बन्धक विलेख**

**तारीख .................... .................... को किया गया यह बन्धक विलेख**

**के बीच**

**एक भाग का अबक (इसमें इसके पश्चात् बन्धककर्ता कहा गया)**

**और**

**दूसरे भाग का कखग (इसमें इसके पश्चात् बन्धकदार कहा गया)**

 यतः बन्धककर्ता .................... ....................को उसकी पुत्री के विवाह का खर्च पूरा करने के लिए आवश्यकता है और इसके साथ उपाबद्ध की गयी अनुसूची में पूर्णतया वर्णित सम्पत्ति की प्रतिभूति पर .................... रुपये एडवांस देने के लिए कथित .................... बन्धककर्ता के पास पहुँचा है।

**अब यह विलेख निम्नलिखित रूप में साक्षित करता है -**

यह कि बन्धकदार द्वारा बन्धककर्ता को संदाय की गयी रकम के प्रतिफल में बन्धककर्ता एतद्द्वारा प्रसंविदाकर्ता करता है और निम्नलिखित रूप में आबद्ध करता है -

1. यह कि बन्धककर्ता उसको एडवांस दी गयी रकम पर .................. की दर पर ब्याज का संदाय करेगा और ब्याज का भुगतान करने के लिए इसके साथ उपाबद्ध की गयी अनुसूची में पूर्णतया वर्णित सम्पत्ति का कब्जा उस बन्धकदार को दिया जाता है जो ब्याज के एवज में फलोपभोग एवम् आय को विनियोजित करेगा।
2. यह कि बन्धकदार संपूर्ण बन्धक शोध्य के संदाय तक सम्पत्ति का कब्जाधारी बना रहेगा।
3. यह कि बन्धककर्ता इसके पश्चात् बन्धक रखी गयी सम्पत्ति का विल्लंगम नहीं करेगा, उसको नहीं प्रभारित किया जायेगा या उसके साथ कोई यह बात नहीं करेगा या नहीं करवायेगा यतद्वारा प्रतिभूति हासिल किया जाता है।
4. यह कि इसमें इसके पूर्व निबन्धनों में से किसी को पूरा करने के लिए बन्धककर्ता की असफलता पर, बन्धकदार को बन्धक रखी गयी सम्पत्ति से या बन्धककर्ता की शरीर से सभी खर्चों के साथ में देय संपूर्ण रकम को वसूलने का विकल्प होगा।
5. यह कि कथित करार वारिसानों, निष्पादकों, प्रशासकों या बन्धककर्ता के समनदेशिती को आबद्ध करेगा।

जिसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर लिखित दिन माह एवम् वर्ष को इस विलेख का निष्पादन किया है।

हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

साक्षीगण

1. ....................
2. ....................

सम्पत्ति की अनुसूची